

## जुनीपेरस पॉलीकार्पस की बीज प्रौद्योगिकी (हिमालयन पेंसिल सीडार)

अ. प्रौद्योगिकी की प्रवृत्ति: बीज प्रौद्योगिकी।

ब. संक्षिप्त प्रक्रिया:

जुनीपेरस पॉलीकार्पस सी. कोच उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण देशज शंकु वृक्ष है, जिसे आमतौर पर "हिमालयन पेंसिल सीडार" के रूप में जाना जाता है। इस प्रजाति के बीजों में प्रसुप्तता होती है जो इसके अंकुरण को प्रभावित करती है। पिछले 5 वर्षों के दौरान हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में इस बीज प्रसुप्तता को तोड़ने की तकनीक विकसित की गई है।

स. प्रौद्योगिकी के लाभार्थी

1. प्रमुख लाभार्थी/उपयोगकर्ता समूह

राज्यों के वन विभाग और गैर सरकारी संगठनों सहित अन्य एजेंसियां जो हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू एवं कश्मीर के शुष्क एवं ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्रों में काम कर रही हैं, प्रमुख उपयोगकर्ता समूह होंगे।

2. उन ग्राहकों की संख्या जिन्हें प्रौद्योगिकी हस्तांतरित/बेची गई है

प्रौद्योगिकी को हाल ही में एक लघु पुस्तिका के रूप में प्रकाशित किया गया है और प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य के वन विभाग और अन्य हितधारकों को हस्तांतरित किया जा रहा है।

3. भविष्य में प्रसार की संभावना (जैसा भी मामला हो)

बीज प्रौद्योगिकी उत्तर-पश्चिम हिमालय के शुष्क और ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्रों में इस महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के प्रसार में मदद करेगी।

द. आर्थिक महत्व

1. आजीविका मुद्दों के समाधान और अतिरिक्त आय सृजन की क्षमता

विकसित की गई तकनीक में ठंडे रेगिस्तानी इलाकों के कठोर भूभागों में न केवल पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्रों को स्थिर करने, बल्कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण के माध्यम से ईंधन की लकड़ी और थोड़े मात्रा में प्रकाष्ठ भी उपलब्ध कराने की बड़ी क्षमता है। यह एक धार्मिक प्रजाति भी है और इसमें स्थानीय समुदायों के लिए अतिरिक्त आय उत्पन्न करने की क्षमता है।

2. प्रतिस्थापित प्रौद्योगिकी पर उत्पादकता वृद्धि एवं आर्थिक लाभ-

यह एक नई प्रौद्योगिकी है और इस महत्वपूर्ण प्रजाति के पौधे के रोपण से हिमालय के शुष्क एवं ठंडे रेगिस्तानी इलाकों की उत्पादकता वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं।

### 3. प्रौद्योगिकी का प्रभाव (जैसा भी मामला हो)

यह हिमालय के शुष्क और ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्रों के लिए अनुशंसित एक महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजाति है। इसलिए, यह तकनीक शुष्क ठंडे रेगिस्तानी इलाकों में इस प्रजाति के भविष्य के वनीकरण कार्यक्रम की सफलता के लिए बहुत उपयोगी होगी।